कांग्रेस की स्थापना एवं उसके महत्वपूर्ण अधिवेशन :-

स्थापना - 1885 ई० में वायसराय लार्ड डफरिन के शासन काल में सेवानिवृत्त अंग्रेज सिविल सर्वेन्ट ए० ओ० ह्यूम द्वारा।

पहले का नाम - भारतीय राष्ट्रीय यूनियन

प्रथम-सचिव — ए० ओ० ह्यूम (कांग्रेस के पिता और जन्मदाता)

⇒ दादा भाई नौरोजी के सुझाव पर नाम - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस रखा गया)

कांग्रेस के सम्बन्ध में विभिन्न समकालीन व्यक्तियों की टिप्पणियाँ :-

पट्टाभि सीता रमैया - कांग्रेस की स्थापना के रहस्य पर पर्दा पड़ा हुआ है।

लाला लाजपत राय - कांग्रेस लार्ड डफरिन के दिमाग की उपज है।

लार्ड डफरिन - जनता के उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है जिसकी संख्या सूक्ष्म है।

वायसराय कर्जन - "मौत की अन्तिम घड़िया गिन रही है"

बंकिम चन्द्र चटर्जी - कांग्रेस के लोग पदों के भूखे हैं।

तिलक — वर्ष में एक बार दर्शन से कुछ नहीं मिलेगा।

अश्वनी कुमार दत्त - तीन दिनों का तमाशा

विपिन चन्द्र पाल - याचना संस्था

स्थापना के सम्बन्ध में पेश किए जाने वाला सिद्धान्त - "सुरक्षा वाल्व का सिद्धान्त"

स्थापना के समय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री - ग्लैडस्टोन

KD Job Updates

बंबई अधिवेशन (1885 ई०) :- (प्रथम)

28-31 दिसम्बर (गोकुलदास तेजपाल संस्कृत भवन)

अध्यक्ष - व्योमेश चन्द्र बनर्जी

कुल 72 लोगो ने भाग लिया।

⇒ 1886 ई० मे सुरेन्द्रनाथ बनर्जी के नेशनल कांफ्रेंस का विलय कांग्रेस मे कर दिया गया।

कलकत्ता अधिवेशन (1886 ई०) (दूसरा)

अध्यक्ष - दादा भाई नौरोजी (शानदार वयोवृद्ध पुरुष / भारत का पितामह)

मद्रास अधिवेशन (1887 ई०) (तीसरा)

अध्यक्ष - बदरूद्दीन तैयबजी (प्रथम मुस्लिम)

पहला अधिवेशन जिसमे तमिलभाषा मे भाषण हुआ।

इलाहाबाद अधिवेशन (1888 ई०) (चतुर्थ)

('शिशिर चौबे')

अध्यक्ष - जार्ज यूले (प्रथम यूरोपीय)

लन्दन मे कांग्रेस की एक संस्था ब्रिटिश इण्डिया कमेटी होगी।

विरोध - राजा सितारे हिन्द
सैयद अहमद खां
↓
(United India Patriotic Association)

कलकत्ता अधिवेशन (1890 ई०) -

अध्यक्ष - फिरोजशाह मेहता

⇒ प्रथम महिला स्नातक 'कादम्बिनी गांगुली' ने भाग लिया।

कलकत्ता अधिवेशन - (1896 ई०)

अध्यक्ष - रहमतुल्ला सयानी

⇒ भारत का राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' पहली बार गाया गया।

* धन निष्कासन के सिद्धान्त को स्वीकारा गया *

कलकत्ता अधिवेशन (1901 ई०)

अध्यक्ष - दिनशा ऐडुल्जी वाचा

⇒ महात्मा गांधी ने सर्वप्रथम इसी अधिवेशन मे भाग लिया।

(गांधी जी - 1901 (दिनशा वाचा) कलकत्ता
जिन्ना - 1904 मुम्बई (सर हेनरी काटन))

बंबई अधिवेशन (1904 ई०) -

अध्यक्ष - सर हेनरी काटन

⇒ मुहम्मद अली जिन्ना ने पहली बार भाग लिया।

KD Job Updates

बनारस अधिवेशन (1905 ई०)

अध्यक्ष- गोपाल कृष्ण गोखले

⇒ बंगाल विभाजन के विरोध मे चलाए जा स्वदेशी आन्दोलन को समर्थन देने की बात कही गयी।

कलकत्ता अधिवेशन (1906 ई०) –

नरमपंथी - रास बिहारी घोष - को
गरमपंथी - बालगंगाधर तिलक - को अध्यक्ष बनाना चाहते हैं।

विवाद की स्थिति मे अध्यक्षता दादा भाई नौरोजी द्वारा

इस अधिवेशन मे जिन्ना दादा भाई नौरोजी के सचिव के रूप मे

⇒ कांग्रेस के मंच से पहली बार स्वराज्य शब्द का प्रयोग किया गया।

सूरत अधिवेशन-(1907 ई०)–

अध्यक्ष – रास बिहारी घोष (कांग्रेस विभाजन)

कांग्रेस का प्रथम विभाजन नरमपंथी और गरमपंथीदल मे

कलकत्ता अधिवेशन (1911 ई०)–

अध्यक्ष- पण्डित बिशननारायण धर

⇒ इस अधिवेशन मे पहलीबार राष्ट्रगान 27 Dec 1911 को गाया गया।

सर्वप्रथम -1912 ई० मे तत्वबोधिनी पत्रिका मे भारत भाग्य विधाता शीर्षक से प्रकाशित

लखनऊ अधिवेशन (1916 ई०)–

अध्यक्ष- अम्बिकाचरण मजुमदार

"स्वराज्य मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है" इसी अधिवेशन मे

⇒ गरमपंथी और नरमपंथी मिलकर एक हुए

महत्वपूर्ण भूमिका- बालगंगाधर तिलक और एनीबेसेन्ट

⇒ कांग्रेस और लीग एक दूसरे के करीब आए

महत्वपूर्ण भूमिका- तिलक और मुहम्मद अली जिन्ना।

कलकत्ता अधिवेशन (1917 ई०)

अध्यक्ष - एनी बेसेन्ट (प्रथम महिला अध्यक्ष)

दिल्ली अधिवेशन (1918 ई०)–

अध्यक्ष - पं० मदन मोहन मालवीय

⇒ कांग्रेस का दूसरा विभाजन

⇒ इस अधिवेशन का अध्यक्ष बालगंगाधर तिलक चुना गया था लेकिन वेलेन्टाइन शिराल से सम्बन्धित एक मुकदमे के सिलसिले मे वे ब्रिटेन चले गए थे।

KD Job Updates

कलकत्ता का विशेष अधिवेशन (1920)

अध्यक्ष - लाला लाजपत राय

⇒ गाँधी जी ने स्वयं असहयोग का प्रस्ताव रखा।

विरोध - चितरंजनदास, मोतीलाल नेहरू
एनी बेसेंट, मुहम्मद अली जिन्ना

⇒ परन्तु यह प्रस्ताव बहुमत से पारित हो गया।

नागपुर अधिवेशन (1920) -

अध्यक्ष - सी० विजय राघवाचार्य

⇒ चितरंजन दास ने असहयोग आन्दोलन का प्रस्ताव रखा।

अहमदाबाद अधिवेशन -(1921) - अध्यक्ष - हकीम अजमल खाँ (चितरंजनदास की अनुपस्थित मे)

⇒ इस अधि० मे कुर्सियों की जगह फर्श पर बैठने की व्यवस्था की गई थी।

⇒ चितरंजन दास का भाषण सरोजनी नायडू ने पढ़ा

गया अधिवेशन (1922 ई०) -

अध्यक्ष - चितरंजन दास

1923 मे होने वाले चुनाव मे भागीदारी की बात की गई जिसे कांग्रेस ने बहुमत से खारिज कर दिया।

⇒ 1923 ई० मे इलाहाबाद मे स्वराज्य पार्टी का गठन।

बेलगाँव अधिवेशन (1924 ई०) -

अध्यक्ष - गाँधी जी (एकमात्र इसी अधिवेशन के)

कानपुर अधिवेशन (1925 ई०) -

अध्यक्ष - सरोजनी नायडु (प्रथम भारतीय महिला)

↳ प्रथम बार लखनऊ अधिवेशन मे हिस्सा लिया

गौहाटी अधिवेशन -(1926 ई०)

अध्यक्ष - श्री निवास आयंगर

⇒ सारे कांग्रेसियों को खद्दर पहनना अनिवार्य कर दिया गया।

KD Job Updates

5

मद्रास अधिवेशन (1927 ई०) -

अध्यक्ष - मुख्तार अहमद अंसारी

→ साइमन कमीशन का विरोध

लाहौर अधि० - 1928

अध्यक्ष - मोतीलाल नेहरू

मुख्य मुद्दा - नेहरू रिपोर्ट को स्वीकार करने के साथ ही मद्रास मे पारित स्वराज्य का प्रस्ताव स्वीकार करना।

लाहौर अधिवेशन (1929 ई०) -

अध्यक्ष - जवाहरलाल नेहरू

→ 31 Dec 1929 को पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव पारित किया गया।

1930 ऐसा पहला वर्ष जब कांग्रेस का अधि० नही हुआ।

कराची अधिवेशन (1931 ई०) -

अध्यक्ष - सरदार वल्लभ भाई पटेल

→ गाँधी जी को विरोध का सामना करना पड़ा।

→ मूल अधिकारों से सम्बन्धित प्रस्ताव पारित किया गया।

→ एक प्रस्ताव आर्थिक नीति से सम्बन्धित रखा गया।

→ इसी अधिवेशन मे गांधीजी को प्रतिनिधि के रूप मे गोलमेज सम्मेलन के लिए नामित किया गया।

फैजपुर अधिवेशन - (1937 ई०)

पहला गाँव (महाराष्ट्र)

हरिपुरा अधिवेशन - (1938 ई०)

अध्यक्ष - सुभाष चन्द्र बोस

→ जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता मे 'राष्ट्रीय योजना समिति' की स्थापना।

→ विजयी विश्व तिरंगा प्यारा को झंडा गीत के रूप मे मान्यता

रचना - श्याम लाल गुप्ता 'पार्षद'

बंबई का विशेष अधिवेशन - (1934)

अध्यक्ष - डा० राजेन्द्र प्रसाद

→ अखिल भारतीय खादी ग्रामोद्योग की स्थापना → अध्यक्ष - गाँधीजी
मंत्री → श्रीकृष्णदास → जे० सी० कुमारप्पा

→ अखिल भारतीय चरखा संघ की स्थापना → अध्यक्ष - गाँधीजी
मंत्री → जवाहरलाल नेहरू → शंकर लाल बैंकर

→ यह अधिवेशन कांग्रेस की "स्वर्ण जयंती" के रूप मे मनाया गया

→ गांधी जी ने कांग्रेस की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया।

→ कांग्रेस सोसलिस्ट पार्टी (1934 ई०) मे गठन → जयप्रकाश नरायण, आचार्य नरेन्द्र देव

KD Job Updates

त्रिपुरी अधिवेशन - (1939 ई०)

अध्यक्ष - सुभाष चन्द्र बोस
गांधीजी के प्रतिनिधि पट्टाभि सीतारमैया को हराकर

⇒ बाद में सुभाष चन्द्र बोस ने इस्तीफा देकर फारवर्ड ब्लाक की स्थापना की। } बाद में अध्यक्षता - डा० राजेन्द्र प्रसाद

कुछ महत्वपूर्ण तथ्य -

⇒ बाल गंगाधर तिलक को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष कभी नहीं चुना जा सका।

⇒ सुभाष चन्द्र बोस ने रोमन लिपि लागू करने की वकालत की थी।
1938 - हरिपुरा

⇒ भारत की आजादी के समय कांग्रेस अध्यक्ष -
जे. बी. कृपलानी

⇒ अबुल कलाम आजाद सबसे ज्यादा समय तक कांग्रेस अध्यक्ष रहने वाले व्यक्ति थे।

कांग्रेस की स्थापना के पूर्व की संस्थाएं -

{ इण्डियन एसोसिएशन (1876) - सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
नेशनल कान्फ्रेंस (1883)

मद्रास महाजन सभा - एम० वीर राघवाचार्य, पी० आनन्द चार्लू
जी० सुब्रमण्यम अय्यर

बाम्बे प्रेसीडेन्सी एसोसिएशन - फिरोजशाह मेहता, के०टी० तैलंग
बदरुद्दीन तैयब

काकीनाडा अधिवेशन - 1923 ई० -

अध्यक्ष - मुहम्मद अली (कामरेड समाचार पत्र का प्रकाशन किया)

मुहम्मद अली ने - गाँधी जी को खुदा का भेजा हुआ इंसान बताया
उनकी तुलना ईसा मसीह से किया

KD Job Updates

क्रान्तिकारी आन्दोलन का इतिहास :-

भारत मे क्रान्तिकारी आन्दोलन की पहली झलक-

1879 ई० के आस पास - 'वासुदेव बलवन्त फड्के' द्वारा गठित 'रामोसी कृषकों' के एक दल द्वारा

⇒ 22 June 1897 ई० को प्लेग समिति के अध्यक्ष रैण्ड और आर्यस्ट की हत्या तिलक के दो प्रसिद्ध शिष्य दामोदर चापेकर और बालकृष्ण चापेकर द्वारा।

क्रान्तिकारी गतिविधियों का प्रथम चरण -

महाराष्ट्र :-

सर्वाधिक चर्चित क्रान्तिकारी - "विनायक दामोदर सावरकर" (बालगंगाधर तिलक के शिष्य)

1893 ई० - गणेश महोत्सव
1895 ई० - शिवा जी महोत्सव
} तिलक द्वारा शुरु

⇒ वी० डी० सावरकर और गणेश सावरकर ने 1899 ई० मे मैजिनी के तरुण इटली के तर्ज पर,
"मित्र मेला" का गठन किया।
इसे ही 1904 मे "अभिनव भारत" कहा गया।

⇒ अभिनव भारत ने "पाण्डुरंग महादेव बापट" को रूसी क्रान्तिकारियों से बम बनाने की कला सीखने के लिए पेरिस भेजा।

नासिक षडयन्त्र केस :- (1909 ई०)

नासिक के जिला मजिस्ट्रेट की हत्या - अनन्त लक्ष्मण कन्हरे द्वारा
(जैक्सन)

सात पर मुकदमा चला जबकि तीन को फांसी -

फाँसी पाने वाले -
(1911 ई० मे)

1- अनन्त लक्ष्मण कन्हरे
2- गोपाल जी कृष्ण कर्वे
3- विनायक नरायण देशपांडे

KD Job Updates

बंगाल मे क्रान्तिकारी आन्दोलन :-

प्रथम गुप्त संगठन –"अनुशीलन समिति (नाम-एम०एन०राय) ← नाम सुझाया था

संस्थापक – बारिन्द्र घोष
भूपेन्द्र नाथ दत्त
जतीन्द्र नाथ बनर्जी
"प्रमोद मित्रा" (मूलतः प्रथम)

⇒ आन्दोलन का सूत्रपात - भद्रलोक समाज

⇒ ~~अरविन्द~~ अरविन्दो घोष की सलाह पर बारीन्द्र घोष और भूपेन्द्रनाथ दत्त ने "युगान्तर" नामक साप्ताहिक पत्र निकाला।

⇒ 1906 मे पहला सम्मेलन कलकत्ता मे सुबोध मलिक के घर हुआ था।

⇒ प्रमुख उद्देश्य - खून के बदले खून

⇒ इस क्रान्तिकारी समूह द्वारा बंगाल के लोकप्रिय गवर्नर "ब्लूफिल्ड फूलर" की हत्या का असफल प्रयास किया गया।

⇒ ढाका मे भी एक अनुशीलन समिति कार्यरत थी जिसके संस्थापक "पुलिन दास" थे।

अलीपुर षड्यन्त्र केस – (1908 ई०)

⇒ क्रान्तिकारी हेमचन्द्र कानूनगो जिन्होंने 1908 मे कलकत्ता स्थित मणिकतल्ला मे बम बनाने का कारखाना खोला। → (पेरिस मे एक रूसी से ट्रेनिंग लिया)

⇒ 34 व्यक्तियों को अवैध शस्त्र रखने के कारण बन्दी बनाया गया। जिसमे बारीन्द्र घोष और अरविन्दो घोष भी थे।

⇒ सब पर अलीपुर षड्यन्त्र केस के तहत मुकदमा -
बारीन्द्र घोष - आजीवन कारावास
अरविन्दो घोष - रिहा (वकील-सी०आर०दास)
→ पाण्डिचेरी - ओरविले आश्रम
→ रचना - हिन्दू ब्यू आफलाइफ

समाचार पत्र - वन्दे मातरम
उदारवादियों की आलोचना - (New lamps for old)

⇒ सरकारी गवाह नरेन्द्र गोसाई की अलीपुर जेल मे सत्येन्द्र नाथ घोष" ने हत्या कर दी।

KD Job Updates

18 Apr - विश्व विरासत दिवस
ट्यूनिशिया में शुरू
2021 - 911 हैं

हावड़ा षड्यन्त्र केस-

जतीन्द्र दास मुखर्जी (बाघाजतिन) 1910 ई० मे पुलिस सुपरिंटेंडेंट 'शमसुल आलम' की हत्या के अभियुक्त बनाए गए।

9 सितम्बर 1915 ई० को बालासोर (उडीसा) मे पुलिस मुठभेड़ मे मृत्यु

मुजफ्फरपुर षड्यन्त्र केस - (बिहार का पहला क्रान्तिकारी विस्फोट)

30 अप्रैल 1908 को बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के न्यायधीश श्री किंग्सफोर्ड की हत्या के उद्देश्य से खुदी राम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने उनकी गाडी पर बम फेंका।

बम कैनेडी के गाड़ी पर लगा दो महिलाओं की मृत्यु

"खुदी राम बोस - मुजफ्फरपुर मे फांसी" (सबसे कम उम्र मे)

फल प्रफुल्ल चाकी - "आत्महत्या"

इस काण्ड पर 'केसरी' मे लेख प्रकाशित हुए जिनके कारण तिलक को 6 वर्ष की सजा (बर्मा के माण्डले जेल मे)

तिलक के वकील - मुहम्मद अली जिन्ना (सजा रोक पाने मे असफल)

दिल्ली षड्यन्त्र केस- (1911 ई०)

लार्ड हार्डिंग पर बम फेंका गया।

नेतृत्व - रास बिहारी बोस

फांसी - अवध बिहारी, अमीन चन्द्र, बालमुकुन्द, बसन्त विश्वास

⇒ रास बिहारी बोस जापान चले गए वहाँ 1942 ई० मे "इण्डियन इंडिपेंडेंस लीग" का गठन किया।

पंजाब-

प्रमुख - लाला लाजपत राय → समाचार पत्र - पंजाबी के माध्यम से
सूफी अम्बा प्रसाद
अजीत सिंह (भगत सिंह के चाचा)
↓ अंजुमन - ए - मोहिब्बानी - ए - वतन नामक समिति
↳ भारत माता नामक समाचार पत्र

KD Job Updates

विदेशों में क्रान्तिकारी आन्दोलन :-

लंदन :-

नेतृत्व मुख्यत: श्यामजी कृष्ण वर्मा
वी० डी० सावरकर
मदन लाल धींगरा
लाला हरदयाल

"इण्डियन होम रूल सोसाइटी"
स्थापना - 1905 ई० में लंदन में
"श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा"
अध्यक्ष - अब्दुल्ला सुहरावर्दी

→ इण्डियन सोशियोलाजिस्ट नामक समाचार पत्र
→ मुख्य उद्देश्य - भारत के लिए स्वशासन स्वशासन

→ इंडिया हाउस के सदस्य "मदन लाल धींगरा" ने
स्थापना - श्यामजी कृष्ण वर्मा
विलियम कर्जन वाइली की हत्या। "सजा - फाँसी"

→ "मैडम कामा (भारतीय क्रान्ति की माता)" जर्मनी के स्टूटगार्ड सम्मेलन में पहली बार लाल पीला और हरे रंग के झण्डे को फहराया।
NOTE - तिरंगा (जो वर्तमान में है उसको नहीं केवल झण्डा)

अमेरिका और कनाडा :-

सं० रा० अमेरिका के प्रमुख भारतीय द्वारकानाथ दास थे। 1907 में कैलीफोर्निया में भारतीय स्वतन्त्रता लीग का गठन।

1909 में रामनाथ पुरी - सरकुल-ए-आजादी
तारक नाथ दास - फ्री हिन्दुस्तान

1 नवम्बर 1913 को "गदर पार्टी" की स्थापना
"सेन फ्रांसिस्को" (अमेरिका)
संस्थापक - लाला हरदयाल
अध्यक्ष - "सोहन सिंह"
"गदर आंदोलन की स्थापना"

→ गदर क्रान्ति छिड़ने का कारण - प्रथम विश्वयुद्ध

KD Job Updates

⇒ गदर पार्टी ने युगान्तर प्रेस की स्थापना करके साप्ताहिक बाद में मासिक पत्रिका 'गदर' का प्रकाशन किया।

गदर का पहला अंक 1 नवम्बर 1913 ई० को उर्दू भाषा में प्रकाशित हुआ।

⇒ लाला हरदयाल के अमेरिका से चले आने पर कार्यभार राम चन्द्र ने संभाला।

स्वदेश सेवक गृह:-

स्थापना - कनाडा (जी० डी० कुमार द्वारा)

गुरु मुखी में स्वदेश सेवक नामक अखबार निकाला।

युनाइटेड इंडिया हाउस -

स्थापना - 1908 सिएटल (अमेरिका)

तारकनाथ दास और जी० डी० कुमार द्वारा

हिन्दी एसोसिएसन -

स्थापना - 1913 ई० पोर्टलैण्ड (अमेरिका)

संस्थापक - लाला हरदयाल, सोहन सिंह, हरिनाम सिंह

भारतीय स्वतन्त्रता समिति -

स्थापना - 1906 ई० बर्लिन

संस्थापक - लाला हरदयाल

सहयोगी - एस० एस० राणा, के० आर० बनेतवाल, एम० पी० टी० आचार्य

अफगानिस्तान -

"राजा महेन्द्र प्रताप" ने जर्मनी के सहयोग से "काबुल में" 1915 ई० को "अन्तरिम भारत सरकार" की स्थापना की

अध्यक्ष - राजा महेन्द्र प्रताप

KD Job Updates

कामागाटामारू काण्ड (1914ई०) -

"एक जापानी जहाज था।"

⇒ ठेकेदार गुरदत्त सिंह ने 1914 में हांगकांग के एक जर्मन शिपिंग एजेन्ट मिस्टर बूने के जरिए किराए पर लिया था।

⇒ 376 भारतीयों भारतीय को लेकर कनाडा पहुंचने की कोशिश की। वापस कर दिया गया।

⇒ वहाँ पर हुसैन रहीम, सोहनलाल और बलवन्त सिंह ने अपने अधिकारों को लेकर तटीय समिति या शोर समिति का गठन किया।

⇒ जहाज के बजबज पहुंचने पर यात्रियों एवं पुलिस के मध्य झड़पे हुई 18 मारे गए। शेष जेल में।

तोषामारू काण्ड। - (1914ई०)

→ एक जहाज जिस पर गदर पार्टी के कुछ सदस्य थे।

→ सिंगापुर में क्रान्तिकारी परमानन्द ने भाषण दिया

→ सिंगापुर लाइट इन्फैन्ट्री के जवानो ने जमादार चिश्ती खाँ एवं डुण्डे खाँ के नेतृत्व में विद्रोह किया।

→ इसे सिंगापुर क्रान्ति के नाम से जाना जाता है।

KD Job Updates

भारत मे क्रान्तिकारी आन्दोलन :-

i) हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएसन (प्रजातांत्रिक संघ) - (H·R·A)

स्थापना - 1924 ई० (कानपुर)

संस्थापक - शचीन्द्र नाथ सान्याल, योगेश चटर्जी, राम प्रसाद बिस्मिल
(पुस्तक - बन्दी जीवन)

दल का उद्देश्य - सशस्त्र तथा संगठित क्रान्ति द्वारा भारत मे सम्मिलत राज्यों का संघ स्थापित करना।

काकोरी काण्ड -

(9 अगस्त 1925 ई०)

⇒ लखनऊ के पास काकोरी नामक स्थान पर 8 डाउन ट्रेन को रोक कर सरकारी खजाने को लूटने का प्रयास

⇒ 29 गिरफ्तार,
1 - लम्बी सजा, 4 - आजीवन कारावास, 4 - फासी

फाँसी पाने वाले -

		स्थान -
i)	"राम प्रसाद बिस्मिल" —	"गोरखपुर"
ii)	"अशफाक उल्लाखाँ" —	फैजाबाद
iii)	रोशन लाल ——	नैनी (इलाहाबाद)
iv)	राजेन्द्र लाहिड़ी —	गोण्डा

"चन्द्रशेखर आजाद बच निकले"

नौजवान सभा -

स्थापना - 1926 ई०

संस्थापक सदस्य - भगत सिंह, दुर्गा दास, यशपाल

नौजवान सभा का दर्शन - फिलासफी आफ बाम्ब
(भगवती चरण बोहरा)

KD Job Updates

हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन - (HSRA)

9-10 सितम्बर 1928 ई० को "चन्द्रशेखर आजाद" के नेतृत्व में "फिरोजशाह कोटला" मैदान पर।

उद्देश्य- भारत में समाजवादी गणतांत्रिक राज्य की स्थापना।

HSRA के नेता - उत्तर प्रदेश - विजय कुमार सिन्हा
शिव वर्मा
जयदेव कपूर

पंजाब - "भगत सिंह"
भगवती चरण वोहरा
सुखदेव

साण्डर्स की हत्या - (17 Dec 1928 ई०)

30 oct 1928 - लाला लाजपत राय घायल

17 दिसम्बर 1928 ई० को लाहौर रेलवे स्टेशन पर भगत सिंह, राजगुरु और चन्द्रशेखर आजाद ने साण्डर्स की हत्या कर दी।

* लाहौर षड्यन्त्र केस - (1929 ई०)

HSRA के दो सदस्य "भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त" ने 8 अप्रैल 1929 ई० को केन्द्रीय विधान मंडल पर बम फेंका।

⇒ उस समय ट्रेड डिस्प्यूट बिल और पब्लिक सेफ्टी बिल पर चर्चा हो रही थी।

⇒ जेल में रहते हुए भूख हड़ताल की जिसमें "जतिन दास" भी थे।

"जतिन दास" - 64वें दिन हड़ताल के 13 Sep 1929 को मृत्यु

* ⇒ "23 मार्च 1931" को भगत सिंह, सुखदेव, और राजगुरु को फाँसी।

⇒ 27 फरवरी 1931 को चन्द्रशेखर आजाद ने स्वयं को गोली मार ली।

KD Job Updates

चटगाँव शस्त्रागार कांड :-

18 अप्रैल 1930 ई०, प्रमुख नेता- "सूर्य सेन (मास्टर दा)"

⇒ 700 नौजवानों के साथ पुलिस लाइन टेलीफोन एक्सचेंज, इत्यादि पर हमला

⇒ सूर्यसेन पकड़ लिए गए। फांसी दे दी गई।

⇒ प्रीतिलता वादेकर - आत्महत्या

कल्पना दत्त - गिरफ्तार

टेगरा बल - लड़ता हुआ मारा गया।

⇒ अम्बिका चक्रवर्ती, अनन्त सिंह, गणेश घोष, लोकनाथ बहल, मणीन्द्र नंदी को कालापानी की सजा।

KD Job Updates

बंगाल विभाजन तथा स्वदेशी आन्दोलन :-

(1)

बंगाल विभाजन – (1905 ई०) –

वायसराय – लार्ड कर्जन

20 जुलाई – विभाजन का निर्णय

7 अगस्त – बहिष्कार के आन्दोलन

16 अक्टूबर – विभाजन प्रभावी

1911 ई० – विभाजन रद्द (लार्ड हार्डिंग द्वितीय)

7 अगस्त 1905 ई० को कलकत्ता के टाउन हॉल में सुरेन्द्रनाथ बनर्जी, ... की अध्यक्षता में हुई सभा में विदेशी सामान के बहिष्कार का प्रस्ताव पारित किया गया। 16 अक्टूबर 1905 को पूरा बंगाल ... शोक दिवस के रूप में मनाया।

→ पूर्वी बंगाल
राजधानी – ढाका
गवर्नर – बमफील्ड फुलर

पश्चिम बंगाल
राजधानी – कलकत्ता
गवर्नर – एण्ड्रयू फ्रेजर

विभाजन का वास्तविक कारण – बंगाल का राष्ट्रवाद और बंगाल के राष्ट्रीय आन्दोलन की अगुवाई करता था।

→ 16 अक्टूबर 1905 ई० को पूरे बंगाल में 'शोक दिवस' मनाया गया।
→ रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 'राखी दिवस' के रूप में मनाया।

स्वदेशी आन्दोलन का प्रसार :-

महाराष्ट्र – तिलक एवं उनकी पत्रिका केसरी

दिल्ली – सैयद हैदर रजा

मद्रास – चिदम्बरम पिल्लै

→ गोखले ने इस आन्दोलन के समर्थन का ही आह्वान किया।

स्वदेशी आन्दोलन का प्रभाव :-

→ 15 Aug 1906 ई० को राष्ट्रीय शिक्षा परिषद की स्थापना।

→ टैगोर के शान्ति निकेतन के तर्ज पर बंगाल नेशनल कालेज की स्थापना।
प्रधानाचार्य - अरविन्दो घोष

→ बंगाल मे राष्ट्रीय शिक्षा फैलाने मे सबसे महत्वपूर्ण भूमिका 1902 मे सतिश चन्द्र मुखर्जी द्वारा स्थापित डान सोसायटी (विद्यार्थियों का संगठन) ने निभाई।

→ 8 NOV 1905 को "रंगपुर नेशनल स्कूल" की स्थापना हुई।

→ टैगोर ने 'आमार सोनार बंगला' की रचना की।

कार्लाइल सर्कुलर :-

10 oct 1905 ई० को कार्यवाहक मुख्य सचिव आर० डब्ल्यू० कार्लाइल के द्वारा प्रधानाचार्यों को हिदायत दी गई कि उनके विद्यार्थी आन्दोलन मे शामिल न हों।

इसके विरोध में एण्टी कार्लाइल सर्कुलर बनाई गई जिसके सचिव छात्र नेता - सचीन्द्र प्रसाद बसु

लायन सर्कुलर :-

वैसे छात्रों को सरकारी नौकरियों मे प्रतिबंधित किया गया जो 'वन्दे मातरम्' के नारे लगाते थे।

{ स्वदेशी आन्दोलन का शीर्षक गीत }

KD Job Updates

➾ पूरे प्रदेश मे उद्योग धन्धे स्थापित हुए। अधिकांश सफल नही थे। कुछ सफल रहे, जैसे- प्रफुल्ल चन्द्र राय का बंगाल केमिकल फैक्ट्री

➾ कला के क्षेत्र मे अवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा 'भारतीय प्राच्य कला संस्थान' की स्थापना हुई।

प्रथम छात्रवृत्ति - नंदलाल बोस

अरुण्डेल कमेटी :-

1906 ई० मे - वायसराय मिन्टो II

→ राजनैतिक सुधारों के विषय मे सलाह के लिए

→ विभाजित बंगाल को संयुक्त करने की आवश्यकता पर बल दिया।

KD Job Updates

मुस्लिम लीग की स्थापना (1906 ई०) :-

ब्रिटिश सरकार के सहयोग से 1 अक्टूबर 1906 ई० को 35 मुस्लिमों का एक शिष्टमंडल आगा खाँ के नेतृत्व में लार्ड मिन्टो से मिला।

→ वायसराय को मुसलमानों की राजभक्ति का विश्वास दिलाया, हर क्षेत्र में उचित प्रतिनिधित्व की माँग करते हुए 'पृथक निर्वाचन मंडल' की मांग की।

→ 30 दिसम्बर 1906 ई० को "ढाका" के नवाब नवाब वकार उल मुल्क की अध्यक्षता में एक मीटिंग हुई और "सलीमुल्ला खाँ" के नेतृत्व में मुस्लिम लीग अस्तित्व में आई। (संस्थापक)

→ पहले अध्यक्ष- वकार उल मुल्क मुश्ताक हुसैन
मानद या स्थाई अध्यक्ष- आगा खाँ (प्रथम भी)

⇒ मुस्लिम लीग का पहला अधिवेशन 29-30 Dec 1907 ई० को "कराची" में हुआ।
प्रारम्भिक मुख्यालय - अलीगढ़
बाद में लखनऊ

→ 1908 ई० में "अमीर अली" की अध्यक्षता में एक शाखा "लंदन" में स्थापित हुई।

अहरार आन्दोलन (1906 ई०)

बंगाल के राष्ट्रवादी मुसलमानों द्वारा
प्रमुख नेता- मौलाना मुहम्मद अली, हकीम अजमल खाँ
हसन इमाम मौलाना जफर अली खाँ

⇒ प्रस्ताव - मुसलमानों को ब्रिटिश सरकार की चाटुकारिता नहीं करनी चाहिए। राष्ट्रीय आन्दोलन में भाग लेना चाहिए।

KD Job Updates

"मार्ले मिन्टो सुधार अधिनियम" 1909 ई०" ⑤

तत्कालीन भारत सचिव एवं वायसराय लार्ड मिंटो द्वारा

→ पहली बार प्रतिनिधिक और निर्वाचित तत्व को समावेश करने का प्रयास किया गया।

→ गैर सरकारी ~~सदस्य~~ सदस्यों को शामिल करने से शासकीय बहुमत समाप्त हो गया।

→ गैर सरकारी सदस्य बजट पर बोल सकते थे, प्रश्न के साथ-2 पूरक प्रश्न भी कर सकते थे।

→ मूल उद्देश्य — नरम दल को अपनी ओर आकर्षित करना परन्तु गहरा उद्देश्य "मुस्लिमों के लिए पृथक निर्वाचन मंडल" प्रदान कर साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देना था।

महात्मा गाँधी - " मार्ले मिन्टो सुधारों ने हमारा सर्वनाश कर दिया"।

के० एम० मुंशी - " इसने उभरते हुए प्रजातंत्र को जान से मार डाला"

दिल्ली दरबार (1911 ई०) :- 'राजधानी स्थानान्तरण'

आयोजन - तत्कालीन वायसराय लार्ड हार्डिंग

1911 ई० में ब्रिटिश सम्राट जार्ज पंचम और रानी विलियम मेरी

दो घोषणाएं - 1- बंगाल विभाजन रद्द
2- दिल्ली भारत की राजधानी

→ नया शहर नई दिल्ली की रूपरेखा

प्रसिद्ध वास्तुविद - एडविन लुटयन्स और हरबर्ट बेकर

→ वायसराय भवन मे निवास करने वाला वायसराय - लार्ड इर्विन

→ राष्ट्रपति भवन ~~में~~ "रायसीना पहाड़ी" पर जिसमें "मुगल गार्डन" ~~कहा~~ बनवाया गया है।

→ राजधानी स्थानान्तरण 23 दिसम्बर 1912 को सम्पन्न हुआ।

KD Job Updates

होमरूल आन्दोलन :- (1916ई०)

⑥

"प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान"

उद्देश्य- ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन रहते हुए शान्तिपूर्ण और संवैधानिक आन्दोलन के तरीकों से स्वशासन की प्राप्ति करना था।

प्रेरणास्रोत- आयरलैण्ड में रेडमांड के नेतृत्व में चलने वाला होमरूल आन्दोलन।

मुख्य नेतृत्वकर्ता- एनीबेसेन्ट, बालगंगाधर तिलक

	तिलक लीग	बेसेन्ट लीग
स्थापना वर्ष	28 अप्रैल 1916ई०	1 सितम्बर 1916ई०
अध्यक्ष -	जोसेफ बैप्टिस्टा	एनी बेसेन्ट
सचिव -	एन० सी० केलकर	जार्ज अरुण्डेल
प्रसार क्षेत्र-	कर्नाटक, महाराष्ट्र (मुम्बई छोड़कर) म० प्रान्त, बरार	तिलक के क्षेत्र को छोड़कर शेष भारत
क्षेत्राध्यक्ष-	—	बी०पी०वाडिया
मुख्यालय -	पुणे	अड्यार
समाचार पत्र	केसरी (मराठी दैनिक) मराठा (अंग्रेजी साप्ताहिक)	न्यू इंडिया (अंग्रेजी दैनिक) कामनवील (अंग्रेजी साप्ताहिक)

एनीबेसेन्ट का होमरूल- इंडियन होमरूललीग

तिलक का होमरूल — महाराष्ट्र होमरूललीग

KD Job Updates

⊕

→ तिलक के होमरूल लीग के शाखाओं की संख्या बेसेन्ट के होमरूल लीग से कम थी।

→ व्यक्ति की संख्या तिलक के होमरूल में अधिक थी।

→ परन्तु उस समय के जितने महत्वपूर्ण व्यक्ति थे सब बेसेन्ट के लीग के सदस्य थे जैसे- मोतीलाल नेहरू, जवाहर लाल नेहरू तेजबहादुर सप्रू, इमाम हसन, जिन्ना

→ होम रूल आन्दोलन में "सुब्रमण्यम अय्यर" ने सबसे बड़ा योगदान दिया।

→ चारो ओर से दबाव महसूस करके भारत सचिव माण्टेग्यू ने २० अगस्त 1917 को एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें भारत को उत्तरदायी शासन प्रदान करने की बात की गई थी।

मान्टेग्यू घोषणा :- (अगस्त घोषणा)

" भारतीय प्रशासन में भारतीय जनता को भागीदार बनाया जाय और स्थानीय संस्थाओं का क्रमिक रूप से विकास किया जाय।

→ इस घोषणा को लेकर कांग्रेस में विवाद

सुरेन्द्रनाथ बनर्जी की अध्यक्षता में नरमपंथियों ने अपने को कांग्रेस से अलग करके "भारतीय उदार वादी संघ" की स्थापना की (1918 ई)

→ उदारवादियों ने इस घोषणा को "भारत का मैग्नाकार्टा" कहा।

→ तिलक ने इस घोषणा को "सूर्य विहीन ऊषा काल" की संज्ञा दी।

→ इस प्रकार कांग्रेस का दूसरा विभाजन।

KD Job Updates

मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार (1919 ई०) :-
(भारत शासन अधिनियम 1919 ई०)

→ केन्द्र एवं प्रान्त के मध्य शक्तियों का विभाजन।

→ द्वैध शासन की स्थापना।
जन्मदाता - 'लाओनिश कर्टिश'

→ केन्द्र और राज्यों का बजट पृथक किया।

→ द्विसदनीय विधानमंडल का गठन

→ पृथक निर्वाचन मंडल में "सिक्ख" भी शामिल

→ इंग्लैण्ड में 'भारतीय उच्चायुक्त" की नियुक्ति

→ भारत में पहली बार "लोक सेवा आयोग" की स्थापना

तिलक ने इसे "निराशाजनक और असंतोषजनक" बताया।

इसी प्रावधान के अन्तर्गत "साइमन आयोग" की नियुक्ति की गई।

KD Job Updates

रॉलेट अधिनियम एवं जलियाँवाला बाग कांड :- (1919 ई०)

* **रॉलेट अधिनियम :-** (बिना मुकदमा के बंदी बनाए जाना)

1917 ई० में सर सिडनी रॉलेट के नेतृत्व में

समिति के सदस्य-

1- बेसिल स्कॉट - मुम्बई के मुख्य न्यायाधीश

2- कुमार स्वामी शास्त्री - मद्रास हाई कोर्ट के जज

3- वर्नी लावेट - यू० प्र० बोर्ड आफ रेवेन्यू के मेम्बर

4- प्रभास चन्द्र मित्र - कलकत्ता हाईकोर्ट के वकील

रिपोर्ट- 1918 ई०

गांधी जी- बिना अपील, बिना वकील, बिना दलील का कानून

जिन्ना — काला कानून, अराजकता और आतंकवाद अधिनियम

* इसके विरोध में गांधी जी ने 'प्रथम अखिल भारतीय सत्याग्रह' आरम्भ किया। तथा 6 अप्रैल 1919 को सत्याग्रह 'सभा' की स्थापना किया।

जलियाँवाला बाग हत्याकांड (13 अप्रैल 1919 ई०) :-

10 अप्रैल 1919 ई० को पंजाब के दो लोकप्रिय नेता डा० सत्यपाल और सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी के विरोध में जलियाँवाला बाग में एक सभा जो 13 अप्रैल 1919 को आयोजित हुई थी। *बैसाखी के दिन

हंसराज नामक व्यक्ति सभा का आयोजन कर रहा था। पंजाब का लै० गवर्नर माइकल ओ० डायर तथा सैन्य अफसर आर० डायर था।

आर० डायर ने बिना किसी चेतावनी के गोलियाँ बरसाई। 379 मारे गए तथा 1200 घायल हुए।

⇒ "रवीन्द्र नाथ टैगोर" ने विरोध में "सर" अथवा "नाइटहुड" की उपाधि लौटा दिया।

⇒ "वायसराय कौंसिल" के एक सदस्य "शंकरन नायर" ने इस कांड के विरोध में त्यागपत्र दे दिया।

हंटर समिति एवं मदन मोहन मालवीय समिति :-

ब्रिटिश सरकार द्वारा लार्ड हंटर के नेतृत्व में 8 सदस्यीय समिति का गठन।

तीन सदस्य भारतीय थे-

- चमन लाल सीतलवाड़
- सुल्तान अहमद
- जगत नरायण

कांग्रेस द्वारा "मदन मोहन मालवीय" के नेतृत्व में जाच समिति-

⇒ "गाँधी जी" इस समिति के सदस्य थे

सचिव - के० संथानम

⇒ जब रोलेट एक्ट पारित हुआ भारत का वायसराय -

"चेम्सफोर्ड"

⇒ रालेट एक्ट के विरोध में लगान न देने का आंदोलन चलाने का सुझाव - "स्वामी श्रद्धानन्द"

KD Job Updates

खिलाफत एवं असहयोग आन्दोलन :-

(1919 - 1922 ई०)

⑤

खिलाफत आन्दोलन -

कारण - प्रथम विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटेन एवं तुर्की के मध्य होने वाली " सेवर्स की संधि" ।

⇒ सितम्बर 1919 ई० मे अखिल भारतीय समिति का गठन किया गया । जिसके सदस्य थे - अली बन्धु (मुहम्मद अली, शौकत अली) मौलाना अबुल कलाम आजाद, हसन इमाम

⇒ इस समिति की पहली बैठक नवम्बर 1919 ई० मे दिल्ली मे फजलुल हक की अध्यक्षता मे हुई। अगले दिन की बैठक गाँधी जी की अध्यक्षता मे हुई।

⇒ 20 जून 1920 - हिन्दू मुस्लिम की संयुक्त बैठक (इलाहाबाद)
↓
असहयोग के अस्त्र को अपनाए जाने का निर्णय

⇒ 31 अगस्त 1920 - खिलाफत दिवस

⇒ सितम्बर - 1920 कलकत्ता अखिलभारतीय समिति की विशेष बैठक
अध्यक्ष - लाला लाजपत राय
इसी सम्मेलन मे गाँधी जी ने स्वयं असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव पेश किया।
विरोध - सी० आर० दास, बी० सी० पाल, एनीबेसेन्ट जिन्ना, मदन मोहन मालवीय

⇒ जिन्ना ने गाँधी से कहा था "देश की राजनीति मे मजहब का दखल उचित नही है"।

⇒ दिसम्बर 1920 मे नागपुर के कांग्रेस अधिवेशन मे असहयोग का प्रस्ताव अन्तिम रूप से पारित। - सी० आर० दास द्वारा

⇒ " गाँधी जी ने एक वर्ष मे आजादी की घोषणा की ।

⇒ 1924 मे खिलाफत आन्दोलन समाप्त
कमाल पाशा ने खलीफा के पद को समाप्त किया।

KD Job Updates

दिसम्बर 1920 लालालाजपत राय, चितरंजन दास ने अपना विरोध वापस लिया।

⇒ 1 अगस्त 1920 तिलक की मृत्यु के साथ आंदोलन प्रारम्भ-

दो प्रकार के कार्यक्रम निर्धारित-

सकारात्मक (रचनात्मक कार्य)
- हिन्दू मुस्लिम एकता को बढ़ावा
- अश्पृश्यता उन्मूलन
- चरखा बाटना
- सूत काटना

नकारात्मक
- उपाधि वापस
- चुनाव बहिष्कार
- विदेशी वस्तु बहिष्कार
- कर दो लगान न दो।

उपाधियों को लौटाए जाना-
गाँधी जी - "कैसर हिन्द"
जमनालाल बजाज - नवाब बहादुर

⇒ इस आंदोलन में हिन्दू मुस्लिम एकता की नई इबारत लिखी गई। - गाँधी जी

⇒ सिक्खों ने राष्ट्रीय एकता का प्रदर्शन करते हुए मुस्लिम नेता सैफुद्दीन किचलू को स्वर्ण मन्दिर का चाभियां दी।

⇒ मुसलमानों ने कट्टर आर्य समाजी नेता श्रद्धानन्द को जामा मस्जिद में भाषण देने के लिए बुलाया।

⇒ गाँधी जी ने आजीवन लंगोट धारण करने का निर्णय लिया।

⇒ पुरुषों में सर्वप्रथम (मोहम्मद अली) और महिलाओं में (बांसती देवी) (पत्नी चितरंजन दास) को गिरफ्तार किया गया।

KD Job Updates

बहिष्कार कार्यक्रम :-

सबसे ज्यादा सफल - बंगाल

सर्वाधिक सफल कार्यक्रम - विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार

⇒ व्यापारी वर्ग ने समर्थन किया किन्तु बड़े व्यवसायियों ने नहीं

⇒ 1920 ई० में असहयोग विरोधी संस्था की स्थापना
(पुरुषोत्तम दास ठाकुरदास, द्वारकादास, कावस जी सीतलवाड़)

⇒ जामिया मिलिया इस्लामिया की स्थापना

⇒ चरखे एवं खद्दर का प्रचार सफल रहा।
↳ आजादी का वस्त्र - नेहरू जी

⇒ ताड़ी के दुकानों पर धरना दिया गया।

⇒ जमनालाल बजाज - कोर्ट कचहरी के बहिष्कार करने वाले वकीलों को 1 लाख सालाना

चौरी-चौरा कांड :- (5 फरवरी 1922 ई०)

गांधी जी इस समय बारदोली में थे।

" गोरखपुर के चौरी-चौरा नामक स्थान पर 22 पुलिस कर्मी जला दिए गए।

गाँधी जी ने 'बारदोली' प्रस्ताव के अन्तर्गत 12 फरवरी 1922 ई० को असहयोग आन्दोलन को वापस ले लिया।

तीव्र आलोचना हुई-

मोती लाल नेहरू - यदि कन्याकुमारी के किसी गाँव ने अपराध किया है तो सजा हिमालय को क्यों।

सुभाष चन्द्र बोस - आन्दोलन को वापस लेना दुर्भाग्य से कम नहीं

मौलाना अबुल कलाम - महान भूल

रजनीपाम दत्त - खोदा पहाड़ निकली चुहिया

डा० मुंजे - निन्दा प्रस्ताव

KD Job Updates

गाँधीजी की गिरफ्तारी और उन पर मुकदमा :-

10 मार्च को गाँधी जी गिरफ्तार
अहमदाबाद के सेशन जज ब्रूमफील्ड की अदालत में मुकदमा
अभियोग के दो आयुक्त -
→ यंग इंडिया के सम्पादक के हैसियत से गाँधीजी
प्रकाशक के हैसियत से शंकरलाल बैंकर

→ यंग इंडिया के लेख - राजभक्ति में दखल
समस्या और उसका हल
गर्जन-तर्जन

→ गाँधी जी को 6 वर्ष का कारावास
अपेंडिसाइटिस की बीमारी के कारण पहले रिहा
↓
ऑपरेशन - डा० कर्नल मैडाक

असहयोग आन्दोलन का नारा - एक वर्ष में स्वराज्य

KD Job Updates

स्वराज्यवादी आन्दोलन एवं गाँधी जी के रचनात्मक कार्यक्रम :-

① काँग्रेस के अन्दर दो तरह की विचार धाराएं - (असहयोग आन्दोलन की समाप्ति के बाद)

परिवर्तनकामी
(चितरंजनदास, मोतीलाल नेहरू बिट्ठल भाई पटेल, हकीम अजमल खान)
↓
दूसरे चुनाव मे भागीदारी

परिवर्तन विरोधी
(राजगोपालाचारी, डा॰ राजेन्द्र प्रसाद वल्लभ भाई पटेल, हसन इमाम)
↓
दूसरे चुनाव मे भागीदारी नही)

⇒ इस दौरान गाँधी जी ने रचनात्मक कार्यक्रम पर बल दिया।

⇒ दिसम्बर - 1922 - गया अधिवेशन - अध्यक्ष - चितरंजन दास
(चुनाव मे भागीदारी का प्रस्ताव खारिज)

⇒ जनवरी 1923 ई॰ अखिल भारतीय कांग्रेस खिलाफत स्वराज्य पार्टी का गठन
अध्यक्ष - सी॰ आर॰ दास, सचिव - एम॰ एल॰ नेहरू
स्थान - इलाहाबाद
नई पार्टी कांग्रेस के अन्दर रह कर चुनाव लड़ेगी।

स्वराज्यवादियों का उद्देश्य :- शीघ्र पूर्ण प्रभुसत्ता का स्तर प्राप्त करना

⇒ 1923 दिल्ली कांग्रेस अधिवेशन - अध्यक्ष - मौलाना अबुल कलाम
स्वराज्यवादियों को चुनाव मे भागीदारी का अधिकार

नवम्बर 1923 के चुनाव मे स्वराज्यवादियों की महत्वपूर्ण जीत -
सेंन्ट्रल लेजिस्लेटिव असेम्बली मे विपक्ष के नेता - मोतीलाल नेहरू
बंगाल काउन्सिल मे विपक्ष के नेता - सी॰आर॰दास

⇒ 1926 के चुनाव मे खराब प्रदर्शन के कारण :-
i) 1925 मे सी॰ आर॰ की मृत्यु
ii) पार्टी के भीतर सम्प्रदायिक ताकतों का मजबूत होना
iii) "बिट्ठल भाई पटेल" केन्द्रीय असेम्बली के अध्यक्ष पद को स्वीकार करने वाले प्रथम भारतीय।
iv) मध्य प्रांत से एस॰ बी॰ताम्बे गवर्नर की कार्यकारिणी परिषद मे मंत्रिपद को स्वीकार किया।

KD Job Updates

साइमन कमीशन :-

"1919 ई॰ के भारत शासन अधिनियम के मूल्यांकन के लिए "8 नवम्बर 1927' ई॰ को भारत सचिव लार्ड बर्कनहेड द्वारा सात सदस्यीय समिति का गठन -
विरोध का कारण - किसी भारतीय सदस्य का न होना।

साइमन आयोग
↓ 7 सदस्य

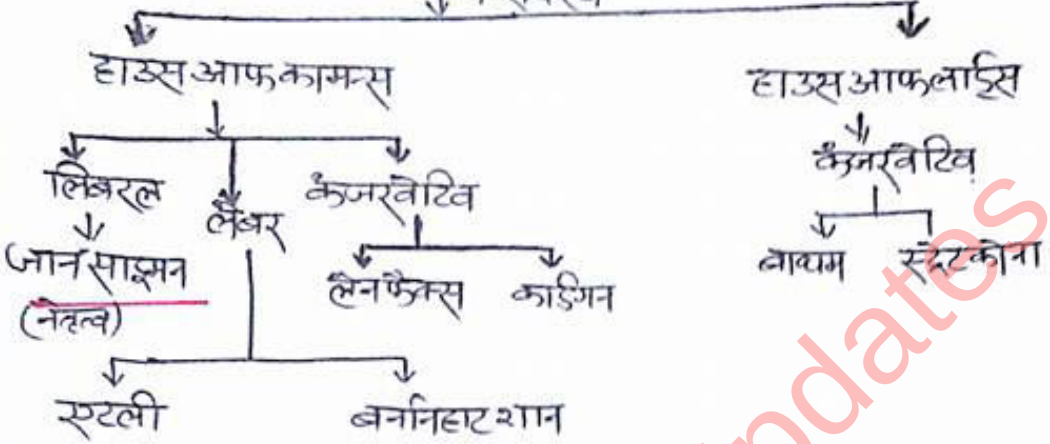

- हाउस आफ कामन्स
  - लिबरल → जान साइमन (नेतृत्व)
  - लेबर
    - एटली
    - बर्नन हाटशान
  - कंजरवेटिव
    - लेनफॉक्स
    - काडिगन
- हाउस आफ लार्ड्स
  - कंजरवेटिव
    - बायम
    - स्ट्रेटकोना

⇒ आयोग "3 फरवरी 1928" को बंबई बंदरगाह पर पहुँचा।

⇒ 1927 मद्रास कांग्रेस अधिवेशन - अध्यक्ष एम॰ए॰ अंसारी
(साइमन का हर तरीके से हर कदम पर बहिष्कार)

⇒ मु॰ सफी के नेतृत्व मे लीग का एक गुट समर्थन किया जबकि जिन्ना के नेतृत्व मे लीग ने बहिष्कार किया

⇒ "30 अक्टूबर" को लाला लाजपत राय घायल (साइमन का विरोध करते हुए)
17 नवम्बर 1928 ई॰ को मृत्यु

⇒ 17 दिसम्बर 1928 ई॰ को सांडर्स की हत्या।

⇒ लखनऊ मे विरोध करते हुए जवाहरलाल नेहरु और गोविन्द बल्लभ पंत घायल।

⇒ अम्बेडकर साइमन सहयोग कमेटी के सदस्य बने।

⇒ मई 1930 मे कमीशन की रिपोर्ट-
→ संविधान का ढाचा संघीय, उत्तरदायी शासन नही।
→ द्वैध शासन की समाप्ति गवर्नर के अधिकार मे कोई कटौती नही।

KD Job Updates

नेहरू रिपोर्ट एवं जिन्ना के 14 सूत्रीय कार्यक्रम :-

भारत सचिव लार्ड बर्कन हेड की चुनौती को स्वीकार करते हुए 1928 में बम्बई में 'एम० ए० अंसारी' की अध्यक्षता में हुई बैठक में मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति का गठन।

सदस्य- तेजबहादुर सप्रू, सर अली इमाम, श्री एम० एस० अने सरदार मंगल सिंह, शोएब कुरैशी, जी० आर० प्रधान और सुभाष चन्द्र बोस

⇒ पंडित जवाहर लाल नेहरू आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल

मुख्य प्रावधान- i) भारत का दर्जा डोमेनियन स्टेट के समान हो
ii) भारतीयों को 19 मौलिक अधिकार दिए जाने की बात
iii) पृथक निर्वाचक मंडल के स्थान पर आरक्षण
iv) भाषाई आधार पर प्रान्तों का गठन हो
v) संघीय व्यवस्था, अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र के पास
vi) संसदीय शासन व्यवस्था हो।

सुभाष चन्द्र बोस और जवाहर लाल नेहरू ने 1928 में आल इंडिया इण्डिपेन्डेंस लीग की स्थापना की।

⇒ सरकार की ओर से विशेष ध्यान न दिए जाने पर 1929 ई० के लाहौर कांग्रेस अधिवेशन (अध्यक्ष- जवाहर नेहरू) में पूर्ण स्वराज्य के लक्ष्य को पारित किया गया।

⇒ 26 जनवरी 1930 को लाहौर के रावी नदी के तट पर पहली पूर्ण स्वाधीनता दिवस मनाया गया।

⇒ मुस्लिम लीग- अवशिष्ट शक्तियाँ प्रान्तों के पास,
केन्द्रीय विधान सभा में 1/3 आरक्षण
सिंध को बंबई से अलग किया जाए
कम-से कम 1/3 मंत्री मुसलमान
सभी प्रान्तों को एक समान स्वायत्तता

} जिन्ना के 14 सूत्रीय माँग में

KD Job Updates

सविनय अवज्ञा आन्दोलन :- (1930-31 ई०)

⇒ 26 जनवरी 1930 ई० को लाहौर में पूर्ण स्वाधीनता दिवस मनाया गया और इसकी प्राप्ति हेतु सविनय अवज्ञा आन्दोलन चलाने का निर्णय लिया गया।

⇒ 2 मार्च 1930 - गाँधीजी इर्विन से अंग्रेज मित्र रेजिनाल्ड रेजाल्ड के माध्यम से मिले लेकिन इर्विन ने कोई ध्यान नहीं दिया।
गाँधीजी - " मैंने घुटने टेककर रोटी माँगी मगर पत्थर मिला"।
सिविल डिसओबिडियन्स शब्द - हेनरी डेविड थोरो (अमेरिकी अराजकतावादी)

दांडी मार्च :-

"5 मार्च 1930" ई० को गाँधी जी ने साबरमती आश्रम वासियों से कहा "12 मार्च 1930 को" 6:30 पर दाण्डी यात्रा शुरू होगी

⇒ इस यात्रा में केवल पुरुष होगें।

→ 12 मार्च 1930 को 78 अनुयायियों के साथ साबरमती से दाण्डी (नौसारी जिला गुजरात) 241 मील की यात्रा प्रारम्भ की।

→ 5 अप्रैल को गाँधी जी दाण्डी पहुचे और 6 अप्रैल को एक मुट्ठी नमक उठाकर नमक कानून तोड़ा।
सरोजनीनायडू - हे नमक कानून भंजक, तुम्हे मेरा सलाम

⇒ मार्च में गाँधी जी सर्वाधिक आयु (61 वर्ष) के थे।

⇒ "अब्बास तैयब" से कहा गिरफ्तारी होने पर आप नेतृत्व करेगें।

आन्दोलन की प्रगति :-

बिहार - चौकीदार टैक्स के खिलाफ
कर्नाटक, मध्य प्रान्त - वन टैक्स
उत्तर प्रदेश - कर न दो

⇒ राजगोपाल चारी ने तमिलनाडु में त्रिचनापल्ली से तंजौर तट की यात्रा निकली।

⇒ अप्रैल 1930 में मदन मोहन मालवीय ने केन्द्रीय विधान सभा में स्वतन्त्र दल के नेता के पद से इस्तीफा

⇒ श्री वी० जे० पटेल, केन्द्रीय विधान सभा के अध्यक्ष पद से इस्तीफा

KD Job Updates

⇒ इस आन्दोलन में महिलाओं ने हिस्सा लिया।
⇒ प्रभात फेरी, जादुई लालटेन, बच्चों की वानर सेना, लड़कियों की मात सेना इस आन्दोलन की विशेषता रही।

⇒ 5 मई 1930- गाँधी जी की गिरफ्तारी, नेतृत्व-अब्बास तैयब

लालकुर्ती आन्दोलन :- खान अब्दुल खफ्फार खाँ (सीमान्त गाँधी)
| संस्था
खुदाई खिदमगार (ईश्वर का सेवक)

⇒ **महत्वपूर्ण घटना -** 18 वीं रेजीमेंट के (गढ़वाल) के चन्द्र सिंह गढ़वाल सरकारी आदेश के बावजूद गोली चलाने से इ
↓ पेशावर कांड

जियालरंग आन्दोलन :-
⇒ नागाओं ने यदुनाग के नेतृत्व में जियालरंग आन्दोलन चलाया
⇒ यदुनाग के बाद उनकी बहन गिडालू ने नेतृत्व किया।

विभिन्न वर्गों की प्रतिक्रियाएं :- आन्दोलन के प्रति :-
→ शहरी बुद्धजीवियों का समर्थन कम रहा।
→ मुस्लिम लीग ने आंदोलन का साथ नहीं दिया।
→ औरतों की व्यापक भागीदारी

दाण्डी मार्च से सम्बन्धित महत्वपूर्ण कथन —

सुभाष चन्द्र बोस - नेपोलियन की यात्रा, मुसोलिनी की यात्रा
जवाहर लाल नेहरू - आज यह तीर्थयात्री अपने यात्रा के लिए निकल पड़ा है।
पट्टाभि सीतारमैया - राम और पाण्डवों के वन गमन से तुलना

इस आन्दोलन का दमन सरकार ने काफी निर्दयता से किया।
इस दमन का विश्लेषण अंग्रेजी पत्रकार 'वेब मिलर' ने किया है।

KD Job Updates

कांग्रेसी मंत्रिमंडल का इस्तीफा –

⇒ 1 Sep 1939 हिटलर द्वारा पोलैण्ड पर आक्रमण के साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध प्रारंभ

⇒ 3 Sep भारत के वायसराय लार्ड लिनलिथगो ने भारतीयों से बिना राय मशविरा के मित्र राष्ट्र की तरफ से शामिल किया।

⇒ 22 Oct 1939 को 28 माह के शासन के बाद कांग्रेस ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया।

⇒ मुस्लिम लीग ने 22 Dec को "धन्यवाद दिवस" या "मुक्ति दिवस" के रूप में मनाया।

मुस्लिम लीग का 'लाहौर' अधिवेशन :–

→ "23 मार्च 1940 ई० को" मुस्लिम लीग के लाहौर अधिवेशन में "मु० अली जिन्ना" के नेतृत्व में द्विराष्ट्र का सिद्धान्त (पाकिस्तान प्रस्ताव) पारित।

→ इस प्रस्ताव में पाकिस्तान शब्द का प्रयोग नहीं किया गया था
प्रस्ताव का प्रारूप - सिकंदर हयात खाँ
प्रस्तुत – फजलुल हक, समर्थन - खलीकुज्जमा

→ 1930 में लीग का सभापतित्व करते हुए इलाहाबाद में इकबाल ने 'पश्चिमोत्तर भारतीय मुस्लिम राज्य' की आवश्यकता का उल्लेख किया था।

अगस्त प्रस्ताव – (8 अगस्त 1940 ई०) (लिनलिथगो प्रस्ताव भी)

1– अनिश्चित भविष्य में भारत का दर्जा डोमेनियन स्टेट के समान होगा।
2– युद्धोपरान्त संविधान निर्मात्री सभा का गठन
3– वायसराय की कार्यकारिणी में प्रधान सेनापति और वायसराय को छोड़ कर सभी भारतीय होंगे।
4– एक युद्ध सलाहकार परिषद का गठन होगा।

भारतीयों ने इसे स्वीकार करने से इंकार कर दिया।

KD Job Updates

व्यक्तिगत सत्याग्रह - (17 अक्टूबर 1940 ई०)

कांग्रेस ने अगस्त प्रस्ताव और द्वितीय विश्वयुद्ध से अपने को अलग सिद्ध करने के लिए व्यक्तिगत सत्याग्रह प्रारम्भ किया।

→ गाँधी जी द्वारा सत्याग्रहियों का चुनाव किया जाता था

→ आन्दोलन के प्रथम सत्याग्रही (विनोबा भावे [redacted]) थे
विनोबा भावे

→ विनोबा भावे ने 17 अक्टूबर 1940 को महाराष्ट्र के अपने पवनार आश्रम से युद्ध विरोधी भाषण देकर शुरू किया।
21 अक्टूबर 1940 को गिरफ्तार

→ दूसरे सत्याग्रही के रूप मे जवाहरलाल नेहरु को चुना गया परन्तु 31 oct 1940 इलाहाबाद के समीप गिरफ्तार

→ सरदार बल्लभ भाई पटेल 18 Nov 1940 को अहमदाबाद मे करने वाले थे लेकिन 17 Nov को गिरफ्तार

वायसराय की कार्यकारिणी का विस्तार -
जुलाई (1941 ई०)

पहले - 8 सदस्य जिसमे 3 भारतीय
बाद मे - 13 सदस्य " 8 भारतीय

⇒ पहला अवसर जब वायसराय की कार्यकारिणी मे भारतीयों को बहुमत।

KD Job Updates

क्रिप्स मिशन का भारत आगमन - एवं क्रिप्स प्रस्ताव (1942 ई०)

①

⇒ मई 1940 में इंग्लैण्ड में आम चुनाव
→ चेम्बरलिन की सरकार की पराजय
→ कंजरवेटिव पार्टी के विंस्टन चर्चिल ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बना।

अटलांटिक चार्टर की घोषणा -

12 अगस्त 1941 ई० को ब्रिटेन और अमेरिका द्वारा
" प्रत्येक देश की जनता को यह अधिकार होगा कि इस बात का निर्णय ले सके कि उसके देश की सरकार कैसी हो।

* → चर्चिल ने तुरंत इस बात की भी घोषणा कर दी यह भारत पर लागू नहीं होगा।

क्रिप्स मिशन भेजे जाने का कारण -

जापान की लगातार बढ़ती हुई शक्ति के कारण अर्न्तराष्ट्रीय समुदाय ने ब्रिटेन पर भारत को स्वतन्त्र करने का दबाव डाला

परिणाम स्वरूप - 11 मार्च 1942 को क्रिप्स मिशन की घोषणा
23 मार्च 1942 को क्रिप्स मिशन भारत पहुँचा

मिशन से वार्तालाप के दौरान -

कांग्रेस - मौलाना अबुल कलाम आजाद (मुख्य प्रवक्ता)
पं० जवाहरलाल नेहरू (सहयोगी)

हिन्दू महासभा - बी० डी० सावरकर
उदारवादी — टी० बी० सप्रू
लीग — मुहम्मद अली जिन्ना
सिक्ख — बलदेव सिंह
दलित — भीमराव अम्बेडकर

भारत की विभिन शक्तियों से बात करने के पश्चात 30 मार्च 1942 को अपना प्रस्ताव रखा जिसमे मुख्य बाते निम्न थी -

KD Job Updates

मुख्य बातें:-

→ भारत का दर्जा डोमेनियन स्टेट का होगा जो अपने आन्तरिक एवं वाह्य मामलों मे पूरी तरह से स्वतन्त्र होगा।

→ एक संविधान सभा का गठन किया जाएगा। जिसमे ब्रिटिश प्रान्तों के चुने हुए प्रतिनिधि एवं देशी रियासतों के प्रतिनिधि शामिल होगें।

⇒ अगस्त प्रस्ताव की तुलना मे यह बेहतर था क्योकि इसमे सैद्धिक रूप से भारत को राष्ट्रमंडल से अलग होने का अधिकार था।

⇒ कांग्रेस और मुस्लिमलीग दोनों ने इसे अस्वीकार कर दिया।

[redacted]"

जवाहरलाल नेहरु- दिवालिया होनेवाले बैंक

गाँधी जी - उत्तर दिनांकित चेक

पट्टाभि सीतारमैया - अगस्त प्रस्ताव का परिवर्द्धित संस्करण मात्र

⇒ लार्ड लिनलिथगो- गाँधी जी के आन्दोलनों को राजनैतिक फिरौती कहा था

KD Job Updates

भारत छोड़ो आन्दोलन :- तत्कालीन वायसराय ⑤
'लार्ड लिनलिथगो'

कारण -
- क्रिप्स मिशन की असफलता
- जापानी सेनाओं का भारत तक पहुँचना
- गाँधी जी के परिवर्तित विचार
- बढ़ी हुई कीमतें
- भारतीय सैनिकों का भारत के बाहर युद्धों में प्रयोग करना

वर्धा प्रस्ताव - (14 जुलाई 1942 ई०)

वर्धा में (7-14 जुलाई) को कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक
|- भारत छोड़ो आन्दोलन का प्रस्ताव (वर्धा प्रस्ताव)

7 अगस्त 1942 ई० को बंबई के ग्वालिया टैंक मैदान से "अबुल कलाम की अध्यक्षता" में यह प्रस्ताव पारित। अरुणा आसफ अली ने झण्डा फहराया।

⇒ गाँधी जी ने अमेरिकी पत्रकार लुई फिशर से कहा था - "यदि कांग्रेस साथ नहीं देती है तो मैं देश की बालू से ही कांग्रेस से बड़ा आन्दोलन खड़ा कर दूंगा"।

⇒ 7 अगस्त 1942 ई० को पारित प्रस्ताव 8 अगस्त 1942 को सर्वसम्मति से पारित। सिर्फ कम्युनिस्ट पार्टी ने विरोध किया।

⇒ गाँधी जी ने 70 मिनट के भाषण में कहा - "या तो भारतीय स्वतंत्रता प्राप्त करेंगे या मर मिटेंगे"। तथा 'करो या मरो' का नारा दिया।

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने इस आंदोलन का समर्थन किया

पट्टाभि सीतारमैया - गाँधी जी के ऊपर किसी पैगंबरीय शक्ति का अवतरण हुआ था।

ब्रिटिश सरकार का दमन चक्र :-

"9 अगस्त 1942 ई० को 'आपरेशन जीरो आवर' के तहत कांग्रेस के सभी महत्वपूर्ण नेता गिरफ्तार।

गाँधी जी - आगा खां पैलेस (पुणे)
साथ में
↓
सरोजनी नायडू
कस्तूरबा गाँधी

⇒ जवाहरलाल नेहरू तथा मौलाना अबुल कलाम आजाद के साथ कार्यकारिणी सदस्यों को अहमदनगर दुर्ग में।

KD Job Updates

⇒ बाद मे - जवाहरलाल नेहरू - अल्मोड़ा जेल
मौलाना आजाद - बांकुड़ा जेल

→ राजेन्द्र प्रसाद को पटना के 'बाकीपुर जेल' मे नजरबंद किया गया।

⇒ 9 नवंबर को जय प्रकाश नारायण हजारीबाग जेल से भाग कर " केन्द्रीय संग्राम समिति" की स्थापना।

रेडियो स्टेशन की स्थापना :-

प्रमुख रूप से बंबई और नासिक से संचालित
रेडियो प्रसारण का कार्य - सर्वप्रथम - 14 अगस्त
↓
" उषा मेहता "

" राम मनोहर लोहिया" नियमित रूप से बोलते थे।

कार्यक्रम - वायस आफ फ्रीडम
बुलेटिन - इ आर डाई बुलेटिन

समानांतर सरकार की स्थापना :-

सर्वप्रथम - बलिया तथा गाजीपुर - चित्तू पाण्डेय

सतारा - वाई० बी० चौहान
(सर्वाधिक दीर्घजीवी)

→ इसके अलावा बंगाल के मिदनापुर जिले मे ताम्लूक नामक स्थान पर

→ उड़ीसा मे तलचर नामक स्थान पर

आन्दोलन की विशेषताएं :-

→ नेतृत्व विहीन होना

→ गाँधी जी के आह्वान अहिंसक रहने के बावजूद हिंसक रहा

→ प्रारम्भ मे शहरी इलाकों मे प्रचारित था बाद मे ग्रामीण इलाकों मे इसका प्रसार हुआ।

KD Job Updates

आन्दोलन के प्रति विभिन्न वर्गों की प्रतिक्रिया :

→ श्रमिक वर्ग ने औद्योगिक केन्द्रों मे हड़ताले की

→ मुस्लिम लीग ने ब्रिटिश सरकार का सहयोग किया।

→ हिन्दू महासभा ने आन्दोलन मे भाग नही लिया।

→ तेजबहादुर सप्रू (उदारवादी) ने कहा गांधी जी को राजनीति से अलग हो जाना चाहिए।

→ अम्बेडकर ने इस आंदोलन को "अनुत्तरदायित्वपूर्ण और पागलपन भरा" कहा।

→ पारसी इस आन्दोलन के पक्ष मे थे।

→ साम्यवादियों ने इस आंदोलन की आलोचना की।

⇒ नेतृत्वविहीन होने के बावजूद भी जिस वर्ग का प्रभाव ज्यादा महत्वपूर्ण रहा वे 'समाजवादी' थे।

आंदोलन की असफलता के कारण :-

→ एकाएक नेतृत्वविहीन हो जाना

→ सभी दलों का समर्थन प्राप्त न होना

→ ब्रिटिश सरकार द्वारा दमन

→ आंदोलन का हिंसक हो जाना।

⇒ इस आंदोलन के दौरान सी॰राजगोपालाचारी ने (द वे आउट) नामक पम्पलेट जारी किया जो कि सांविधिक गतिरोध का हल था।

KD Job Updates

वेवेल योजना (14 जून 1945 ई०):-

1943 ई० मे लार्ड लिनलिथगो के स्थान पर लार्ड विस्काउट वेवेल भारत के वायसराय बने।

उन्होने 14 जून 1945 ई० को एक योजना (वेवेल योजना) की घोषणा की।

मुख्य बाते -

→ ब्रिटिश सरकार का भारत मे लक्ष्य उसे स्वशासन की ओर ले जाना था।

→ वायसराय कार्यकारिणी मे प्रधान सेनापति को छोड़कर शेष सारे सदस्य भारतीय होगें। जिसमे हिन्दू और मुसलमान समान संख्या मे होगें।

→ परिषद युद्ध संचालन तथा प्रशासन के संचालन के साथ-2 ऐसे उपायों पर विचार किया जाएगा जिससे कि संविधान निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो सके।

शिमला सम्मेलन (25 जून - 14 जुलाई 1945 ई०)

25 जून 1945 ई० को 21 राजनेताओं की उपस्थित मे सम्मेलन का प्रारम्भ हुआ।

→ कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने भाग लिया।

→ हिन्दू महासभा को भाग लेने की अनुमति नही मिली।

→ गॉधी जी शिमला मे होते हुए इस सम्मेलन मे भाग नही लिया।

→ कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व - मौलाना अबुल कलाम आजाद

मुस्लिम लीग की शर्त - वायसराय कार्यकारिणी मे नियुक्त होने वाले सदस्यों का चयन वह खुद करेगी।

कांग्रेस द्वारा जिन्ना के इस मांग को अस्वीकार कर दिया गया। अन्ततः 14 जुलाई 1945 ई० को सम्मेलन के विफलता की घोषणा करनी पड़ी।

KD Job Updates

कैबिनेट मिशन का प्रस्ताव, संविधान सभा का चुनाव एवं अन्तरिम सरकार का गठन :-

→ मई 1945 मे ब्रिटेन मे आम चुनाव
→ 26 जुलाई 1945 ई० को लेबर दल की सरकार क्लीमेंट एटली के नेतृत्व मे सत्ता मे आई।
→ एमरी के स्थान पर पैथिक लारेन्स भारत का नया सचिव।

→ 19 फरवरी 1946 को "पैथिक लारेन्स" ने हाउस आफ लार्डस से घोषणा की भारत मे संवैधानिक सुधारों के लिए कैबिनेट मिशन भेजा जाएगा।

तीन सदस्य – भारत सचिव - पैथिक लारेन्स
व्यापार बोर्ड के अध्यक्ष - स्टेफोर्ड क्रिप्स
नौ सेना प्रमुख - ए० बी० अलेक जेन्डर

भारत के लिए त्रिस्तरीय शासन व्यवस्था

25 मार्च 1946 ई० को दिल्ली पहुंचा।
16 मई 1946 ई० को अपनी रिपोर्ट दी—

→ पाकिस्तान की माँग को पूर्णतः नकार दिया गया।
→ भारत को संघ राज्य बनाने की बात की गई।
→ संविधान सभा के गठन की बात की गई। जिसमे प्रान्तों का शामिल होना ऐच्छिक था।

⇒ यह भी प्रावधान था कि कोई भी प्रान्त अपने विधान मंडल द्वारा प्रस्ताव पारित करके 10 साल के बाद संविधान की धाराओं पर दुबारा विचार करने का प्रस्ताव दे सकते है।

संविधान सभा मे कुल सदस्य - 389
- 292 ब्रिटिश प्रान्त
- 93 देशी रियासत

→ प्रत्येक 10 लाख जनसंख्या पर संविधान सभा मे एक सदस्य होगा।
→ शीघ्र ही अन्तिमरम सरकार की घोषणा – 6 हिन्दू, 5 मुस्लिम + अन्य
→ यह भारत पर निर्भर करेगा कि वह राष्ट्रमंडल मे रहना चाहता है कि नही।

KD Job Updates

⇒ कांग्रेस को अस्वीकार्य
↓
कमजोर संघ और प्रान्तों को ग्रुप बनाने जैसी बातें

मुस्लिम लीग को अस्वीकार्य
↓
पाकिस्तान की मॉंग स्पष्टतः स्वीकार नहीं की गई थी। ②

⇒ महात्मा गॉंधी पूरी तरह से कैबिनेट योजना के पक्ष में थे।

संविधान सभा का चुनाव :- (जुलाई 1946)

जुलाई 1946 ई० में 210 स्थान
- 199 - कांग्रेस
- 2 - पंजाब यूनियन पार्टी
- 2 - दलित उद्धार संघ

मुस्लिम लीग - 73

पहली बैठक - 9 दिसम्बर - 1946
अध्यक्ष - डा० सच्चिदानंद सिन्हा

सीधी कार्यवाही दिवस - (16 अगस्त 1946 ई०)

मुस्लिम लीग ने अन्तिरम सरकार के विरोध मे जिन्ना के नेतृत्व में

→ भारत मे जबरदस्त साम्प्रादयिक दंगे हुए
→ बंगाल मे मुस्लिम लीग की सरकार थी
↓ मुख्यमंत्री - सुहरावर्दी

मौलाना आजाद - 16 अगस्त का दिन भारत के इतिहास मे काले अक्षरों मे लिखा जाने वाला दिन है।

माउण्ट बेटन ने गॉंधी जी को वन मैन बाउण्ड्री की उपाधि प्रदान की।

KD Job Updates

एटली की घोषणा, माउंटबेटन योजना एवं भारत की आजादी :-

लेबर पार्टी
एटली की घोषणा -(२० फरवरी १९४७ ई०)

२० फरवरी १९४७ को हाउस आफ कामन्स से घोषणा -
30 जून १९४८ तक ब्रिटिश सरकार भारत छोड़कर चली जाएगी।

⇒ 34वें एवं अन्तिम ब्रिटिश गवर्नर जनरल लार्ड माउंटबेटन २४ मार्च १९४७ ई० को भारत के वायसराय बने।

माउंटबेटन का भारत आगमन :-

→ २२ मार्च १९४७ को माउन्टबेटन पालम हवाई अड्डे पर उतरा।
→ सहायतार्थ एक भारतीय वी०पी० मेनन (आई०सी०एस०) (ICS) को अपने साथ रखा।
→ २४ मार्च से १६ अप्रैल तक विभिन्न कांग्रेसी नेताओं से मुलाकात की

जवाहर लाल नेहरु से मुलाकात :-

दो बातों पर सहमत -
1- रक्तपात से बचने के लिए जल्दी कोई निर्णय लेना जरुरी है।
2- भारत का विभाजन एक दुखद घटना होगी।

गांधी जी से मुलाकात :-

31 मार्च १९४७ ई० (प्रथम बार) को
सुझाव - भारत को बटवारे से बचाने के लिए जिन्ना (मुस्लिमलीग) को सरकार बनाने की अनुमति दे दी जाय।

सरदार पटेल से मुलाकात :-

उस समय की परिस्थितियों से नाराज होकर यहां तक कह दिया जिन्ना चाहे न चाहे वे भारत का विभाजन चाहते है।

मुहम्मद अली जिन्ना से मुलाकात :-

→ पूरी तरह से विभाजन के पक्ष मे था।
→ माउन्टबेटन ने जिन्ना के बारे मे कहा था, हे भगवान यह आदमी है या बर्फ की चट्टान सारे मुलाकाते तो उसे पिघलाने मे ही बीत गई।

KD Job Updates

⇒ नेहरू और पटेल के बाद सिक्खों के नेता बलदेव सिंह ने भी विभाजन के पक्ष में अपनी सहमति दे दी।

⇒ "सबके स्वीकार कर लेने के बाद गाँधी जी ने अन्ततः विभाजन के पक्ष में अपना समर्थन दे दिया।"

↳ भारतीय स्वतन्त्रता का आधार

माउण्टबेटन योजना / मनबाटन योजना / तीन जून योजना :-

3 जून 1947 को भारत विभाजन योजना प्रस्तुत की -

→ भारत का विभाजन अनिवार्य है।

→ संविधान सभा द्वारा पारित संविधान भारत के उन भागों में लागू नहीं होगा जो इसे मानने के तैयार न हो।

→ बंगाल और पंजाब इस बात पर निर्णय करेंगे कि उनको कहाँ रहना है।

→ उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रान्त में जनमत द्वारा यह पता लगाया जाय कि वह भारत के किस भाग में रहना चाहता है।

→ भारतीय नरेशों के प्रति पुरानी नीति रहेगी।

⇒ 3 जून 1947 को ही कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में स्वीकार कर लिया गया।

⇒ 14 जून 1947 ई० को गोविन्द वल्लभपन्त ने प्रस्ताव पेश किया।

⇒ 18 जुलाई 1947 ई० को ब्रिटिश पार्लियामेन्ट में भारत स्वतन्त्रता अधिनियम पारित किया गया।

आजादी के समय -
कांग्रेस अध्यक्ष - जे० बी० कृपलानी
वायसराय - माउण्टबेटन
ब्रिटिश प्रधानमंत्री - क्लीमेंट एटली
सम्राट - जार्ज षष्ठ

KD Job Updates

सुभाष चन्द्र बोस एवं आजाद हिन्द फौज के सैनिकों पर मुकदमा, शाही नौ-सेना का विद्रोह – ⑥

→ सुभाष चन्द्र बोस 1941 ई० में एक पठान जियाउद्दीन के वेश में कलकत्ता से पेशावर पहुँचे।

→ वहाँ से "आरलैंडो मेसट्टा" के नाम से जर्मनी पहुँचे और हिटलर से मिलकर मुक्ति सेना की स्थापना की। मुख्यालय - ड्रेसडन

→ जर्मनी की जनता ने उन्हें नेताजी पुकारा।

→ 28 मार्च को रास बिहारी बोस ने बर्मा से मलाया तक रहने वाले भारतीयों को बुलाया और जून 1942 को इण्डियन इंडिपेंडेंस लीग की स्थापना की।

→ आजाद हिन्द फौज – (1942 ई०) तत्कालीन मलाया में
गठन का विचार - कैप्टन मोहन सिंह (प्रथम सेनापति)
महिलाओं का रेजीमेन्ट - रानी झाँसी का रेजीमेन्ट, सुभाषचन्द्र बोस

सिंगापुर में अस्थाई सरकार की स्थापना :–

21 अक्टूबर 1943 ई० को सिंगापुर के कैथे सिनेमा हाल में अस्थाई सरकार की स्थापना।
यहीं से दो प्रसिद्ध नारा – दिल्ली चलो ✓
तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा–

→ नवंबर 1943 में जापान ने अण्डमान निकोबार द्वीप अस्थाई सरकार को सौंप दिया। नेता जी ने इसका नाम,
अण्डमान - शहीद द्वीप
निकोबार - स्वराज्य द्वीप

आपरेशन 'यू' का प्रारंभ :

21 जनवरी 1944 को तोजो की घोषणा - अभियान प्रारम्भ

→ भारत पर आक्रमण के अभियान को आपरेशन यू का नाम दिया गया।

→ 1944 (फरवरी) अराकान के मोर्चे पर पहली विजय

⇒ 18 मार्च 1944 ई० को आई०एन०ए० ने भारत की पावन भूमि पर कदम रखा।

KD Job Updates

रंगून रेडियो से गाँधी जी को संबोधित नेता जी का भाषण -

(7)

6 जुलाई-1944ई०

गाँधी जी को राष्ट्रपिता के नाम से

" भारत की स्वाधीनता के पावन युद्ध मे आपका आशीर्वाद एवं शुभ कामनाए चाहते है।

⇒ जापान की सरकार ने नेता जी को - (order of first merit of Rising sun) देने का प्रस्ताव दिया।

आजाद हिन्द फौज के सैनिको पर मुकदमा - (1945 ई०)

- जनरल शाहनवाज
- कर्नल गुरुदयाल ढिल्लो
- कर्नल सहगल

} सैनिक

भूला भाई देसाई के नेतृत्व मे -

वकील -
- टी० बी० सप्रू
- अरुणा आसफ अली
- कैलाश नाथ काटजू
- जवाहर लाल नेहरू

वायसराय वेवेल ने अपने विवेकाधिकार का प्रयोग करते हुए इन्हे छोड़ दिया।

आजाद हिन्द फौज के सैनिक राशिद अली को 7 वर्ष का कारावास का दंड दिया गया।

KD Job Updates